मनोवैज्ञानिक शोध का परिचय तथा
S.K. Nawal M.A II Sem प्रकार
(1)

मॉडल (Stimulus-Sampling model) आधुनिक सिद्धान्त रचना सैद्धान्तिक शोध के अच्छे उदाहरण हैं।

(B) **अनुभविक शोध (Empirical Research):-**

अनुभविक शोधों का संबंध मनोविज्ञान में उन विधियों से होता है जो प्रयोगात्मक होते हैं, साथ-ही-साथ तथ्यपूर्ण मूल्यांकन करने में सर्वथा सक्षम होते हैं। अनुभविक शोध को मुख्यतः तीन भागों में बाँटा गया है, जो निम्नलिखित हैं-

(i) प्रेक्षण शोध (observational research)-
(ii) सहसंबंधात्मक शोध (correlational research)
(iii) प्रयोगात्मक शोध (Experimental research)

(i) **प्रेक्षणात्मक शोध (observational research)**

प्रेक्षणात्मक शोध उस शोध को कहा जाता है जिसमें शोधार्थी बगैर किसी बदलाव के चरों के प्रभाव का अध्ययन स्वाभाविक परिस्थिति में करता है। ध्यान देने योग्य है कि प्रेक्षक या शोधकर्ता इसमें स्वयं सीधे तौर पर सम्मिलित नहीं रहता है। चूँकि शोधकर्ता इसमें स्वयं प्रत्यक्ष रूप से शामिल नहीं रहता है, इसलिए इस तरह के प्रेक्षण को असहभागी प्रेक्षण (nonparticipative observation) भी कहा जाता है। इसमें अध्ययन से संबंधित घटनाओं का अवलोकन, तथ्यों का संग्रहण (जब समूह के सदस्य के रूप में अपनी पहचान छुपाकर समूह के बीच रहते हुए करता है तो वैसे प्रेक्षण को

सहभागी प्रेक्षण (Participative observation) कहते हैं। इसमें शोधकर्ता समूह में रहकर समस्या समाधान में तथा व्यवहारों में खुद भी सम्मिलित रहता है। अतः इसे सहभागी प्रेक्षण की संज्ञा दी गई है।

प्रेक्षण को दो भागों में बाँटा गया है-

(I) स्वाभाविक प्रेक्षण (Natural observation)

(II) प्रयोगशाला प्रेक्षण (Laboratory observation)

(I) स्वाभाविक प्रेक्षण (Natural observation)—

डीएमैटो (D'Amato, 1970) के द्वारा स्वाभाविक प्रेक्षण को परिभाषित करते हुए बतलाया गया है कि- "जब किसी स्वाभाविक परिस्थिति में घटनाओं का प्रेक्षण किया जाता है, तो उसे स्वाभाविक प्रेक्षण कहा जाता है।"

खेल के मैदान में बच्चों के आक्रमकता के साथ-साथ नेतृत्व क्षमता का अध्ययन किया गया। इस अध्ययन के आधार पर पर पाया गया कि आक्रमकता एवं नेतृत्व में धनात्मक सम्बंध है। अर्थात जिस समूह में आक्रमता अधिक पाई गई उसमें नेतृत्व क्षमता भी अधिक पाई गई। निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि नेतृत्व तथा आक्रमणकारी व्यवहार में धनात्मक सहसंबंध (positive correlation) होता है।

दोष:— (a) इस प्रेक्षण में सबसे बड़ा दोष यह है कि जिन चरों का अध्ययन किया जाता

मनोवैज्ञानिक शोध का परिचय तथा प्रकार
2 M.A II Sem's (3)

के अभाव में अन्य बहिरंग चारों पर शोधार्थी का नियन्त्रण नहीं रह पाता है। फलतः निष्कर्ष प्रभावित होने की प्रबल संभावना सहैव बनी रहती है।

(b) स्वाभाविक परिस्थिति उत्पन्न करना शोधार्थी या शोधकर्त्ता के वश में नहीं रहता है। उसे तब तक इंतजार करना पड़ता है जब तक की अध्ययन की जाने वाली घटना स्वाभाविक रूप से घटित न हो जाय। माना कि खेल के मैदान में बच्चों के आक्रामक व्यवहार एवं नेतृत्व क्षमता के बीच संबंधों का अध्ययन अभिप्रेत है, तो प्रेक्षक या शोधार्थी को तबतक इंतजार करना पड़ता है जब तक की कि बच्चे स्वाभाविक तौर पर खेलना प्रारंभ ना कर दें। अतः इसमें समय एवं श्रम अधिक लगाना पड़ता है।

(ii) प्रयोगशाला प्रेक्षण (Laboratory observation)
स्वाभाविक प्रेक्षण के दोषों से मुक्ति पाने के लिए प्रयोगशाला प्रेक्षण की विधि को आजकल काम में लाया जाने लगा है जिससे शोधकार्य में समय एवं श्रम को अधिक से अधिक बचाया जा सके।

प्रयोगशाला प्रेक्षण में शोधकर्त्ता परिस्थितियों पर मनोनुकूल नियंत्रण रख पाने में सक्षम हो जाता है।

साथ-ही-साथ आवश्यकतानुसार परिस्थिति में फेर-बदल कर सकने में भी सक्षम रहता है। अर्थात प्रेक्षक घटनाओं का प्रेक्षण या निरीक्षण नियंत्रित अवस्था में करता है।

प्रयोगशाला प्रेक्षण का एक प्रमुख दोष यह है कि प्रेक्षक या शोधकर्ता चरों में जोड़-तोड़ करने लिए स्वतंत्र नहीं होते हैं। बल्कि प्रेक्षक को यह कामना होती है कि अधिक-से-अधिक स्वाभाविक स्थिति पैदा करने का हर संभव प्रयास करें अन्यथा निष्कर्ष प्रभावित होने की संभावना सदैव बनी रहती है।

(II) <u>सहसंबंधात्मक शोध</u> (Correlational research)

मनोविज्ञान में सहसंबंधात्मक शोध का महत्वपूर्ण स्थान है। मनोविज्ञान के अनेक क्षेत्रों में सहसंबंधात्मक शोध का प्रचलन है। गिल्फोर्ड (Guilford, 1966) ने इसे परिभाषित करते हुए कहा है कि " सहसंबंधात्मक शोध में शोधार्थी सीधे जोड़-तोड़ न करके चयन प्रक्रिया द्वारा करता है और फिर वह एक स्वाभाविक परिस्थिति में अध्ययन करता है कि कहाँ तक एक चर में किया गया हेर-फेर दूसरे चर में हेर-फेर से संबंधित है। उदाहरणार्थ- माना कि एक शोधार्थी बच्चों में समस्या समाधान क्षमता तथा बुद्धि में संबंध का अध्ययन करना चाहता है।